

ऐशबाग के जनता क्वार्टर में नौ घंटे चला बुलडोजर, 599 जर्जर मकान ढहाए



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर में सोमवार सुबह छह बजे से मकानों को हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। प्रशासन ने करीब नौ घंटे तक बुलडोजर और पोकलेन मशीनों की मदद से 600 में से 599 जर्जर मकानों को ढहा दिया। एक मकान को फिलहाल छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

नगर निगम ने मई 2016 में जनता क्वार्टर के करीब 600 भवनों को जर्जर और खतरनाक घोषित किया था। वर्ष 2018 में भी इन्हें खाली करने के नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन रहवासियों ने मकान खाली नहीं किए। हाउसिंग बोर्ड ने अंतिम नोटिस जारी कर 13 नवंबर तक सामान हटाने के निर्देश दिए थे। 14 नवंबर को प्रस्तावित कार्रवाई विरोध और पुलिस बल की कमी के कारण टाल दी गई थी। सोमवार को पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था के बाद कार्रवाई की गई।

रहवासियों ने जताई चिंता

कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों ने रहने की व्यवस्था को लेकर चिंता जताई। कुछ रहवासियों ने बताया कि मकान टूटने के बाद उनके सामने सामान रखने और परिवार के साथ रहने की समस्या खड़ी हो गई है। बुजुर्ग बानो बी ने रहने के लिए घर उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं, आशिक मियां ने कहा कि ऑटो चलाकर परिवार पालने वाले उनके जैसे लोगों के लिए चार से पांच हजार रुपये मासिक किराया देना मुश्किल है। कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। उन्होंने वैकल्पिक आवास की व्यवस्था किए बिना मकान तोड़ने को अनुचित बताया।

वैध आवंटियों को मिलेगा किराया

हाउसिंग बोर्ड के अनुसार, वैध आवंटियों को मकान खाली करने के बाद नियमानुसार कलेक्टर गाइडलाइन के आधार पर मासिक किराया दिया जाएगा। अवैध रूप से रह रहे लोगों को किराया या मुआवजा नहीं मिलेगा। मध्य प्रदेश पुनर्विकास नीति-2022 के तहत यहां पुराने मकानों की जगह आधुनिक बहुमंजिला आवासीय परिसर बनाया जाएगा। वैध आवंटियों को वर्तमान मकान से 20 प्रतिशत बड़े नए फ्लैट देने और निर्माण अवधि में किराया उपलब्ध कराने की योजना है।

नाल ठोकते समय घोड़े ने फटकारी लात सीने में लगी चोट से युवक की हुई मौत

पंचशील नगर में अवैध रूप से चल रहे अस्तबल के पास हुई घटना

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः टीटी नगर थाना इलाके के पंचशील नगर में अवैध रूप से बना रखे अस्तबल में पले घोड़े ने एक युवक को सीने पर लात मार दी। इस घटना के कुछ समय बाद युवक की मौत हो गई। घटना के समय एक घोड़े के पैर में नाल ठोकने का काम किया जा रहा था। इस दौरान घोड़े ने जमकर लात फटकार दी, जो वहां से गुजर रहे युवक के सीने में जा लगी थी। इस अस्तबल के खिलाफ क्षेत्र के लोग तीन बार सीएम हेल्प लाइन में भी शिकायत कर चुके थे।

टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक पंचशील नगर निवासी 39 वर्षीय संतोष सुरडकर ठेकेदारी करते थे। रविवार को वह अपने एक रिश्तेदार के बेटे की शादी की पत्रिका बांटकर घर लौट रहे थे। शाम लगभग सात बजे वह घर के पास पहुंचे थे। इस दौरान अस्तबल में घोड़े के पैर में लोहे की नाल ठोकने का काम किया जा रहा था। वहां से गुजरते समय घोड़े ने अचानक संतोष के सीने पर लात मार दी। इससे वह मौके पर ही गिर गए। घटना के बाद उन्हें पेट में तेज दर्द के साथ ही सांस लेने में काफी बेचैनी होने लगी थी। परिवार के लोगों ने संतोष को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे संतोष की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक अस्तबल को हटाने के लिए स्थानीय रहवासियों ने पूर्व में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत भी कर रखी थी। मामले की जांच की जा रही है। संतोष के परिवार के लोगों का कहना है कि घर के पास रवि लोगांशी नाम के व्यक्ति ने कथित तौर पर अस्तबल बना रखा है। यहां पांच- छह घोड़े पाले जा रहे हैं। पूर्व में घोड़े ने एक युवक को दांत से काट लिया था। इसके अलावा घोड़े के लात मारने से एक कुत्ते की भी मौत हो चुकी है। अस्तबल और घोड़ों से होने वाले खतरे की आशंका को लेकर सीएम हेल्पलाइन, टीटी नगर थाने और स्थानीय पार्षद से भी शिकायत की गई थी। दो दिन पहले नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर चालानी कार्रवाई की, लेकिन अस्तबल नहीं हटाया गया।

गन्ने का भाव 600 रुपये क्विंटल करने की मांग भोपाल पहुँचे किसान

- नरसिंहपुर के 200 किसानों ने किया प्रदर्शन
- कृषि अधिकारियों से बातचीत बेनतीजा
- मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने से पहले पुलिस ने रोका

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नरसिंहपुर के करीब 200 किसान सोमवार को गन्ने का मूल्य 400 से बढ़ाकर 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर भोपाल पहुंचे। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे किसानों को पुलिस ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास रोक दिया।

इसके बाद किसानों ने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के सामने प्रदर्शन किया। किसानों ने 600 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य के साथ 50 रुपये बोनस देने की मांग भी रखी। किसानों का कहना है कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है और मौजूदा भाव में उन्हें पर्याप्त मुनाफा नहीं मिल रहा है। किसान गणेश पटेल के मुताबिक, एक एकड़ में गन्ने की फसल लगाने के लिए बीज पर 15 से 20 हजार रुपये, मजदूरी पर 7 से 8 हजार रुपये और ट्रैक्टर किराए पर 12 से 13 हजार रुपये खर्च होते हैं। इसके अलावा डीजल, बिजली और खाद की लागत भी बढ़ गई है।

किसान प्रतिनिधिमंडल ने कृषि संचालक उमाशंकर भार्गव से मुलाकात की। लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। किसानों के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि 600 रुपये का भाव तय करना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। गन्ना आयुक्त ने मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्णय बताने की बात कही।

किसान नेता गणेश पटेल ने बताया कि नरसिंहपुर में किसान सात दिन तक प्रदर्शन कर चुके हैं और एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा था। मांग पूरी नहीं होने पर वे भोपाल आए हैं। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और पर्याप्त बल तैनात किया। प्रशासन ने किसानों के लिए टेंट, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की है। किसानों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का भरोसा दिया है।

सांभर के शिकार में शामिल गिरोह के दो और आरोपी गिरफ्तार

नप्र, भोपाल : मध्य प्रदेश में वन्यजीव अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की इंदौर इकाई ने सांभर के शिकार में शामिल गिरोह के दो फरार आरोपियों मुस्तफा नदीम और खुजेमा को गिरफ्तार किया है। दोनों इंदौर के सैफीनगर, खातीवाला टैंक के निवासी हैं। आरोपियों की निशानदेही पर शिकार में इस्तेमाल एमजी हेक्टर एसयूवी भी जब्त की गई है, जिसकी कीमत करीब 16 लाख रुपये है। दोनों आरोपियों को 20 नवंबर को खंडवा न्यायालय में पेश किया गया था। वहां से उन्हें 23 नवंबर तक वन विभाग की रिमांड पर सौंपा गया। पूछताछ में गिरोह के अन्य सदस्यों और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। खंडवा जिले के पुनासा स्थित नर्मदानगर संरक्षित वन क्षेत्र में 8 मई 2026 को नियमित गश्त के दौरान सूचना मिलने पर वन अमले ने कार्रवाई की थी। मौके से सांभर के शव के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य चार पहिया वाहन से फरार हो गए थे।

लैंड यूज और सड़कों के प्रस्तावों का विरोध

मास्टर प्लान पर आपत्तियों को लेकर सुनवाई तेज

नईदुनिया प्रतिनिधि,भोपालः भोपाल मास्टर प्लान के प्रारूप पर सोमवार को दो दिन के अवकाश के बाद फिर सुनवाई शुरू हुई। हुजूर तहसील में नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, जिला प्रशासन और विशेषज्ञों की टीम ने लोगों की आपत्तियां सुनीं।

सुनवाई में भूमि उपयोग में बदलाव, जलभराव क्षेत्र, घनी आबादी के बीच चौड़ी सड़कें और व्यावसायिक गतिविधियों के प्रस्ताव प्रमुख मुद्दे रहे।

मिसरोद में सड़क प्रस्ताव का विरोध

मिसरोद के रहवासियों ने गांव की आबादी के बीच से प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे गांव का मूल स्वरूप और लोगों की सुरक्षा प्रभावित होगी। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग पर विचार करने की मांग भी की गई है। इस मुद्दे पर 10 दिसंबर को सुनवाई होगी। वहीं, ग्राम बिलखिरिया खुर्द के खसरा क्रमांक 575 से 593 के बीच प्रस्तावित 24 मीटर सड़क से व्यावसायिक मिश्रित उपयोग का प्रस्ताव हटाने की मांग की गई। अधिकारियों ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया।

भूमि उपयोग में बदलाव पर आपत्ति

सतगढ़ी के रहवासियों ने आरोप लगाया कि उनकी निजी जमीनों को आवासीय क्षेत्र में शामिल किया गया है, जबकि पास के दौलतपुर को उद्यान क्षेत्र में रखा गया है। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण बताया। मास्टर प्लान के प्रारूप पर कुल 13,400 से अधिक आपत्तियों की सुनवाई होनी है। यह प्रक्रिया 10 दिसंबर तक ऑनलाइन और ऑफलाइन जारी रहेगी।

मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे, गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजेगा

कार्तिक पूर्णिमा आज, रोशनी से जगमगाए गुरुद्वारे

नईदुनिया प्रतिनिधि,भोपालः कार्तिक मास की पूर्णिमा के पर्व पर मंगलवार को मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालु पवित्र सरोवरों में स्नान कर दान भी करेंगे। सिख समाज के श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व होने से गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजेगा।

पूर्णिमा के साथ ही मंगलवार को कार्तिक महीना समाप्त होकर अगहन मास शुरू हो जाएगा। कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली और त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं और जरूरतमंदों को दान देते हैं। शाम के समय नदी, तालाबों और घरों में दीप जलाने की परंपरा भी है।

भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्वः त्रिपुरारी पूर्णिमा भगवान शिव की आराधना के लिए भी विशेष मानी जाती है। इस दिन शिव मंदिर जाकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। शिवलिंग पर जल और दूध चढ़ाएं। इसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया जाना चाहिए। इस तिथि पर भगवान विष्णु-माता लक्ष्मी का अभिषेक भी किया जाता है।

मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर किए गए स्नान, दान, जप, तप और दीपदान से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय का अर्थ है ऐसा पुण्य, जिसका प्रभाव जीवनभर बना रहता है। इस दिन श्रद्धालु अपनी सामर्थ के अनुसार धर्म-कर्म करते हैं।

गुरुद्वारों में सजेंगे दीवान, बंटेगा लंगरः सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु गुरुनानक देव की जयंती कार्तिक पूर्णिमा को ही मनाई जाती है। इस दिन गुरुद्वारों और घरों में अखंड पाठ, प्रभात फेरी, नगर कीर्तन, शबद-कीर्तन, अरदास और लंगर जैसे आयोजन होते हैं। राजधानी के गुरुद्वारों में भी प्रकाश पर्व मनाने की तैयारियां हैं। हमीदिया रोड, टीटी नगर, साकेत नगर, अरेरा कॉलोनी, शाहजहांनाबाद सहित अन्य गुरुद्वारों में सुबह से ही दीवान सजेगा तथा श्रद्धालु मत्था टेकेंगे। गुरु का लंगर बंटेगा। प्रकाश पर्व के लिए गुरुद्वारों में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। इसी क्रम में गुरुद्वारा बाबा द्वारा भव्य नगर कीर्तन शाहजहांनाबाद से शुरू हुआ जो विभिन्न मार्गों से होता हुआ हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा नानकसर में संपन्न हुआ।



गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक टेकरी में बच्चों ने की श्रद्धापूर्वक अरदास

श्री गुरु नानक देव के पावन प्रकाश पर्व को समर्पित कार्यक्रम के अंतर्गत डीपीएस स्कूल,कोलार रोड, के विद्यार्थियों ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ गुरुद्वारा नानक टेकरी के दर्शन किए। यह पावन स्थल श्री गुरु नानक जी के चरणों की छुअन से पवित्र हुआ है। गुरूद्वारा में सभी 200 विद्यार्थियों ने गुरु महाराज के समक्ष श्रद्धापूर्वक शीश नवाया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी इकबाल सिंह ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य,स्वास्थ्य,विद्या एवं सद्बुद्धि की कामना करते हुए गुरु महाराज के चरणों में अरदास की। सभी के कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर गुरुद्वारे के जनरल सेक्रेटरी हरविंदर सिंह ने विद्यार्थियों को सिख धर्म के गौरवशाली इतिहास,गुरु साहिबान की शिक्षाओं तथा जात-पात,ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता,समानता, प्रेम एवं भाईचारे के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। यह आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक यात्रा विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रही। बच्चों ने सिख धर्म की महान परंपराओं एवं गुरु साहिबान की शिक्षाओं को नजदीक से जाना और मानव सेवा,सद्भावना तथा सर्वधर्म समभाव का महत्व समझा।

मालवा महोत्सव *रविंद्र भवन में तीन दिवसीय मालवा महोत्सव का आगाज...*

मालवा का मान बढ़ेगा, घटेगा नहीं, मालवी को बताया राजनयिक भाषा

नईदुनिया प्रतिनिधि,भोपालः राजधानी के रविंद्र भवन स्थित मुक्ताकाश मंच पर सोमवार शाम मालवा की माटी की सौंधी खुशबू और लोक रंगों की छटा बिखरी। मालवा विकास उत्सव समिति द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मालवा महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए इस उत्सव में मालवा की संस्कृति, परंपरा, खान-पान और लोक कलाओं की जीवंत प्रस्तुतियों ने राजधानीवासियों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. नवीन आनंद जोशी ने किया।

महोत्सव में उपस्थित लोगों से सहज संवाद करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मालवा की सांस्कृतिक विशेषताओं का आत्मीय उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मालवा का अलग कल्चर है, अलग शान है। मालवा



धरती गहन गंभीर, डग-डग रोटी पग-पग नीर वाली कहावत को चरितार्थ करता है।

मुख्यमंत्री ने मालवी भाषा की मिठास पर अनोखे अंदाज में बात की। उन्होंने कहा कि मालवी भाषा की विशेषता ऐसी है कि ऐसा लगता है जैसे मालवी भाषा राजनयिक भाषा है। मालवी में जो अपनापन और ठहराव है, वह किसी और बोली में नहीं। मालवा का व्यक्ति कभी कठोर नहीं बोलता, उसकी भाषा में ही सम्मान छिपा है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने मालवा की गौरवशाली परंपरा और ऐतिहासिक विरासत का स्मरण किया। उन्होंने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के न्याय, सुशासन और धर्मपरायणता को याद करते हुए कहा कि अहिल्या माता ने पूरे देश में शिव मंदिरों का जीर्णोद्धार कर मालवा के गौरव को देशव्यापी बनाया।

महाकाल की महिमा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकाल मुगलों के सामने भी मुस्कुरा रहे थे। जब आक्रांताओं ने मंदिरों को तोड़ने की कोशिश की, तब भी महाकाल की ज्योति अडिग रही। यही मालवा की शक्ति है। उन्होंने कहा कि मालवा का मान बढ़ेगा, घटेगा नहीं, यह सरकार का संकल्प है।

मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। मालवी लोक नृत्य मटकी, कालबेलिया और निमाड़ी लोकगीतों पर दर्शक झूम उठे। मालवा के प्रसिद्ध व्यंग्य और किस्सागोई ने लोगों को खूब हंसाया। कलाकारों ने लोकमाता अहिल्या और राजा भोज की गाथाओं को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया।

वहीं रविंद्र भवन परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे। स्टॉलों पर मालवा के पारंपरिक व्यंजन दाल-बाफला, भुट्टे का कीस, पोहा-जलेबी की महक ने लोगों को खींचा। इसके अलावा महेश्वरी साड़ी, बाग प्रिंट के वस्त्र, हस्तशिल्प और उज्जैन, इंदौर, धार के स्थानीय उत्पादों की जमकर खरीदारी हुई। महिलाओं ने चंदेरी और महेश्वर के स्टॉल पर खासा उत्साह दिखाया।

तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य मालवा की संस्कृति, परंपरा और लोक जीवन को राजधानी भोपाल में जीवंत रूप से प्रस्तुत करना है। महोत्सव के जरिए मालवा की सांस्कृतिक विरासत और क्षेत्रीय पहचान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

पहले दिन बड़ी संख्या में भोपाल के प्रबुद्धजन, साहित्यकार और मालवा अंचल से आए लोग उपस्थित रहे। महोत्सव का समापन 25 नवंबर को होगा।

गुरुनानक देव जी ने समाज में समानता का भाव विकसित किया : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरुनानक देव ने समाज की कमजोरियों को दूर कर भारतीय संस्कृति का संरक्षण कर और समाज में समानता का भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी अमर यात्रा भारत ही नहीं अफगानिस्तान तक पहुंची। उन्होंने सिख पंथ की स्थापना और लंगर की परम्पराओं से



बराबरी के भाव को सशक्त बनाने का कार्य किया। डॉ. यादव गुरु नानक जयंती (प्रकाश पर्व) की पूर्व संध्या पर अरेरा कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु ग्रंथ साहब के समक्ष माथा टेका और उपस्थित जन को गुरुनानक जयंती की बधाई दी। उन्होंने प्रदेशवासियों को भी बधाई और मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि गुरुनानक देव जी का आशीर्वाद समस्त नागरिकों को प्राप्त हो, ऐसी कामना है। मुख्यमंत्री का गुरुद्वारा समिति की ओर से डॉ. पीएस बिंद्रा ने शाल उढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संगत के साथ बैठकर कीर्तन का आनंद लिया।